सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र

INFORMATION AND LIBRARY NETWORK (INFLIBNET) Centre
(An Inter-University Centre of University Grants Commission)
Gandhinagar - 382007 GUJARAT

हिंदी पखवाड़ा 2025

दिनांक: 25 सितंबर 2025

प्रतिवेदन

सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र, गांधीनगर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी हिंदी पखवाड़ा का आयोजन अत्यंत उत्साह और गरिमामय वातावरण में किया गया। इस वर्ष केंद्र में हिंदी पखवाड़ा 14 से 28 सितंबर 2025 को मनाया गया | हिन्दी पखवाड़ा के दौरान केंद्र में विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन 18 और 19 सितंबर को किया गया जिसमें टाइपिंग/नोटिंग (टंकण) प्रतियोगिता, आधिकारिक पत्र लेखन प्रतियोगिता, चित्र वर्णन लेखन और कविता पाठ प्रमुख रूप से शामिल थे | 19 सितंबर को 2025 को एक व्याख्यान/कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्री सर्वेश तिवारी, सचिव, नराकास, गांधीनगर को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। श्री तिवारी ने हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में प्रस्तुत करते हुए इसके महत्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

केंद्र ने **24 सितंबर 2025** को "हिंदी: एकता और सांस्कृतिक गौरव की वैश्विक आवाज" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना, केंद्र के कर्मचारियों को हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने के लिए प्रेरित करना और देश की सांस्कृतिक एवं भाषाई एकता को सुदृढ़ करना था। केंद्र के प्रभारी निदेशक श्री यात्रिक पटेल के मार्गदर्शन में राजभाषा हिंदी के प्रति समर्पित वातावरण सुनिश्चित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि, प्रो. प्रेम नारायण सिंह, माननीय निदेशक, अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रभारी निदेशक श्री यात्रिक पटेल, श्री हरीश चंद्र, प्रशासनिक अधिकारी एवं सदस्य, हिंदी समिति, डॉ सुरभि, वैज्ञानिक-सी एवं अध्यक्षा, हिन्दी उपसमिति एवं अन्य गणमान्य अतिथिगण का सभागार में आगमन से हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नवनीत कुमार शर्मा, वैज्ञानिक-बी सदस्य सचिव, हिन्दी उपसमिति द्वारा किया गया | तत्पश्चात, सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर और प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया, जो भारतीय संस्कृति के प्रति केंद्र की आस्था का प्रतीक था।

स्वागत संबोधन के लिए श्री हरीश चंद्र, प्रशासनिक अधिकारी एवं सदस्य, हिंदी समिति ने सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया और केंद्र की ओर से आमंत्रण स्वीकार करने के लिए मुख्य अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया। स्वागत संबोधन के बाद साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सत्र का आयोजन किया गया। यह सत्र कर्मचारियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करने का माध्यम बना। केंद्र की परंपरा के अनुसार, माननीय मुख्य अतिथि प्रो. प्रेम नारायण सिंह, केंद्र के प्रभारी निदेशक श्री यात्रिक पटेल सहित मंच पर उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का पुष्पगुच्छ एवं शाल भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

केंद्र के प्रभारी निदेशक श्री यात्रिक पटेल ने संक्षिप्त किंतु सारगर्भित भाषण में हिंदी को केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा का वाहक बताया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इंफ्लिबनेट, एक डिजिटल सूचना केंद्र होने के नाते, डिजिटल मीडिया और सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से हिंदी में वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री की उपलब्धता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कर्मचारियों से केंद्र के विभिन्न शोध परियोजनाओं और डिजिटल पहल में हिंदी के समावेश पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया।

श्रीमती अमृता देवी ने उपस्थित श्रोताओं को मुख्य अतिथि माननीय प्रो. प्रेम नारायण सिंह का परिचय कराया और उन्हें सम्बोधन करने के लिए आमंत्रित किया | प्रो. प्रेम नारायण सिंह ने अपने उद्‌बोधन का आरंभ हिंदी की ऐतिहासिक यात्रा और स्वाधीनता संग्राम में इसकी भूमिका के उल्लेख से किया। उन्होंने केंद्र के कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज की हिंदी केवल साहित्य की नहीं, बल्कि विज्ञान, प्रौद्‌योगिकी और प्रशासन की भाषा है। उन्होंने केंद्र के सभी कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि राजभाषा नियम केवल औपचारिकता नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारी भाषाई प्रतिबद्‌धता हैं। हमें कार्यालयीन पत्राचार, टिप्पणी लेखन और बैठकों के एजेंडा में हिंदी के प्रयोग को अपनी प्राथमिकता बनाना चाहिए। मुख्य अतिथि के उद्‌बोधन के तुरंत बाद केंद्र के कर्मचारियों ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया |

इसके बाद हिन्दी प्रश्नोत्री का आयोजन हुआ जिसमें सभी ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया | यह प्रतियोगिता हिन्दी भाषा और कार्यालय में हिन्दी के उपयोग से संबंधित थी | हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित की गई प्रतियोगिताओं जैसे टंकण प्रतियोगिता, आधिकारिक पत्र लेखन प्रतियोगिता, चित्र वर्णन लेखन और कविता पाठ के विजेताओं और प्रतिभागितों को प्रमाणपत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए। सभी कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की गई, जिससे पखवाड़ा सही मायने में एक समावेशी आयोजन बन सका। प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए।

इसके बाद, सभी कर्मचारियों ने एकजुट होकर हिंदी में कार्य करने की प्रतिज्ञा दोहराई, जिसमें दैनंदिन कार्यालयीन कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने का संकल्प लिया गया। इस सामूहिक प्रतिज्ञा ने केंद्र के राजभाषा कार्यान्वयन के प्रति सामूहिक समर्पण को प्रदर्शित किया।

डॉ. सुरभि ने अपने संबोधन में सबसे पहले मुख्य अतिथि प्रो. प्रेम नारायण सिंह के बहुमूल्य समय और प्रेरक व्याख्यान के लिए इंफ्लिबनेट केंद्र की ओर से कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने केंद्र की निदेशिका प्रो. देविका पी मडल्ली के निरंतर मार्गदर्शन, उत्साहवर्धन और राजभाषा के प्रति उनकी प्रतिबद्‌धता के लिए विशेष आभार प्रकट किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने प्रभारी निदेशक श्री यात्रिक पटेल एवं प्रशासनिक अधिकारी श्री हरीश चंद्रा और हिंदी समिति और उपसमिति के सभी सदस्यों को सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। अंत में, उन्होंने सभी कर्मचारियों के सक्रिय और उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना करते हुए, पखवाड़ा को सफल बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों को श्रेय दिया।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। तत्पश्चात, सभी कर्मचारियों और अतिथिगण ने एक साथ समूह चित्र लिया, जिसने इस स्मरणीय दिन की यादों को संजोया। हिंदी पखवाड़ा 2025 का यह आयोजन केवल एक वार्षिक अनुष्ठान नहीं था, बल्कि हिंदी के प्रति इंफ्लिबनेट केंद्र की वैज्ञानिक और प्रशासनिक प्रतिबद्‌धता का प्रतीक था। केंद्र ने सफलतापूर्वक यह संदेश दिया कि हिंदी भारत की पहचान, प्रगति और ज्ञान के प्रसार का एक अनिवार्य माध्यम है।

(डॉ. सुरभि)

सदस्य, हिंदी समिति एवं
अध्यक्षा, उप-समिति

टंकण प्रतियोगिता

क्र.सं.	नाम	शब्द संख्या	त्रुटी	कुल टंकण गति
1	**आकाश राठोड़**	**359**	**13**	**23.1**
2	**सतीश कुमार**	**227**	**7**	**14.7**
3	**रूचि प्रसाद**	**226**	**17**	**13.9**
4	भवानी शंकर	218	17	13.4
5	प्रिय देसाई	208	22	12.4
6	आरती सेन	194	10	12.3
7	अतुल कुमार तिवारी	193	16	11.8
8	गौतम यादव	175	26	9.9
9	राम प्रकाश	115	5	7.3
10	मीत ठाकोर	147	51	6.4
11	पृथ्वीराज नायक	114	23	6.1

टंकण प्रतियोगिता विजेता

1	आकाश राठोड़
2	सतीश कुमार
3	रूचि प्रसाद

चित्र प्रतियोगिता विजेता

1	सतीश कुमार
2	रूचि प्रसाद
3	गौतम यादव

पत्र प्रतियोगिता विजेता

1	सतीश कुमार
2	रूचि प्रसाद
3	सविता देवी